भारत सरकार

आयुष मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 1009

24 जुलाई, 2026 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

डिजिटल पहल और आयुष ग्रिड

1009. श्रीमती हिमाद्री सिंह:

श्री अनन्त नायक:

श्री विनोद लखमशी चावड़ा:

श्री अशोक कुमार रावत:

श्री नव चरण माझी:

श्री अभिमन्यु सेठी:

श्री विष्णु दयाल राम:

श्री राजपालसिंह महेंद्रसिंह जादव

क्या आयुष मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) आयुष ग्रिड और विभिन्न डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म सहित 'माई आयुष इंटीग्रेटेड सर्विसेज़ पोर्टल' (एमएआईएसपी) और अन्य ई-गवर्नेंस पहलों के अंतर्गत क्या प्रगति हुई है;

(ख) राज्यों, संघ राज्यक्षेत्रों विशेषकर ग्रामीण, आकांक्षी और ओडिशा के क्योंझर संसदीय निर्वाचन क्षेत्र सहित जनजातीय ज़िलों तथा आयुष स्वास्थ्य देखरेख संस्थानों द्वारा आयुष ग्रिड को कितना अपनाया गया है;

(ग) क्या सरकार ने क्योंझर संसदीय निर्वाचन क्षेत्र में आयुष अस्पतालों, औषधालयों, सम्पूर्ण स्वास्थ्य केन्द्रों और टेलीमेडिसिन सेवाओं को डिजिटल रूप से सुदृढ़ करने के लिए कोई पहल की है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) आयुष ग्रिड के डिजिटल परिवर्तन के लिए भावी रूपरेखा क्या है, साथ ही इसे अन्य राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों के साथ जोड़े जाने और देश के अल्पसेवित क्षेत्रों में डिजिटल स्वास्थ्य देखरेख सेवाओं का विस्तार किए जाने के बारे में संबंधित ब्यौरा क्या है?

उत्तर

आयुष मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)

(श्री प्रतापराव जाधव)

(क): आयुष ग्रिड परियोजना आयुष क्षेत्र के आईटी आधार-स्तंभ के रूप में कार्य करती है, जो स्वास्थ्य सेवा, अनुसंधान एवं विकास, आयुष औषधि प्रशासन, औषधीय पादप, शिक्षा एवं जन-जागरूकता, क्षमता निर्माण तथा वैश्विक/मीडिया पहुँच जैसे क्षेत्रों में डिजिटल रूपांतरण को गति प्रदान करती है।

इस पहल के अंतर्गत, देशभर में चौबीस ई-गवर्नेंस प्लेटफॉर्म विकसित किए गए हैं और उन्हें सुगम बनाया गया है। आयुष मंत्रालय के प्रमुख पोर्टल https://maisp.ayush.gov.in माई आयुष एकीकृत सेवा पोर्टल (एमएआईएसपी) पर उपलब्ध है, जो आयुष से संबंधित सभी अनुप्रयोगों और सेवाओं को एक समेकित डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र में एकीकृत करता है। आगंतुकों की सहायता करने तथा उपयोगकर्ता अनुभव को बेहतर बनाने के लिए एक एआई-सक्षम चैटबॉट (बीटा संस्करण) भी प्रसारित किया गया है। यह पोर्टल विभिन्न सेवाओं एवं योजनाओं तक नागरिक-केंद्रित पहुँच उपलब्ध कराता है तथा सामयिक निगरानी और डेटा-संचालित निर्णयन को सक्षमकारी बनाता है। (विवरण: maisp.ayush.gov.in पर उपलब्ध है)

इसी प्रकार, आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन (एबीडीएम) के अनुरूप आयुष अस्पताल प्रबंधन सूचना प्रणाली (एएचएमआईएस) को स्वास्थ्य देख-रेख सेवाओं के डिजिटीकरण तथा आयुष स्वास्थ्य संस्थानों के कुशल प्रबंधन के उद्देश्य से कार्यान्वित किया गया है। आयुष अनुदान पोर्टल से मंत्रालय की विभिन्न केंद्रीय क्षेत्र की योजनाओं के अंतर्गत वित्तपोषण प्रस्तावों के प्रस्तुतिकरण, कार्रवाई, अनुमोदन तथा निगरानी की प्रक्रिया सुव्यवस्थित हुई है। आयुष अनुसंधान पोर्टल आयुष से संबंधित 43,000 से अधिक चयनित शोध प्रकाशनों के एक केंद्रीकृत डिजिटल भंडार के रूप में कार्य करता है, जिससे शोधकर्ताओं, चिकित्सकों तथा नीति-निर्माताओं के लिए इन तक सहज पहुँच उपलब्ध होती है। आयुष निवेश सारथी पोर्टल आयुष क्षेत्र में घरेलू तथा अंतर्राष्ट्रीय निवेशकों के लिए एक समर्पित प्रवेश-द्वार के रूप में कार्य करता है, जो निवेश के अवसरों को प्रोत्साहित करने के लिए व्यापक जानकारी उपलब्ध कराता है। ई-चरक पोर्टल औषधीय पादप क्षेत्र के लिए एक वर्चुअल बाज़ार तथा सूचना मंच के रूप में कार्य करता है, जो किसानों, संग्राहकों, क्रेताओं, विनिर्माताओं तथा निर्यातकों को परस्पर जोड़ता है।

वाई-ब्रेक प्रो मोबाइल एप्लिकेशन कार्यस्थलों पर अल्पावधि योग सत्रों के माध्यम से समग्र कल्याण को बढ़ावा देता है। एम-योग एप्लिकेशन शिक्षण मॉड्यूल तथा मार्गदर्शित योग सत्र उपलब्ध कराकर नियमित योगाभ्यास को प्रोत्साहित करता है, जिनका कहीं भी और कभी भी सहजता से उपयोग किया जा सकता है। योग पोर्टल योग को एक समग्र जीवनशैली अभ्यास के रूप में प्रोत्साहित करने तथा सभी के लिए इसकी सुलभता को बढ़ाने हेतु एक समर्पित डिजिटल मंच के रूप में कार्य करता है। यह योग प्रोटोकॉल, प्रशिक्षण मॉड्यूल, प्रमाणित संस्थानों, आयोजनों तथा शोध अध्ययनों से संबंधित प्रामाणिक एवं सुव्यवस्थित जानकारी उपलब्ध कराता है, जिससे शिक्षार्थियों एवं योगाभ्यासियों के लिए विश्वसनीयता तथा सहज पहुँच सुनिश्चित होती है।

इसके अलावा, योग पोर्टल पर अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस (आईडीवाई), 2026 के अवसर पर आयोजित योग संगम कार्यक्रम में 7.6 लाख से अधिक संगठनों ने पंजीकरण कराया, जिसमें देशभर से एक साथ योगाभ्यास करते हुए 8 लाख से अधिक लोगों के चित्र पोर्टल पर अपलोड किए गए।

समग्र रूप से, आयुष ग्रिड के अंतर्गत विकसित सभी ई-गवर्नेंस टूल्स सभी के लिए सुलभ हैं तथा उनसे सेवा प्रदायगी सुदृढ़ हुई है, परिचालन दक्षता में सुधार हुआ है और पारदर्शिता एवं जवाबदेही बढ़ी है।

(ख): आयुष ग्रिड ने डिजिटल अवसंरचना को सुदृढ़ बनाकर तथा सेवा प्रदायगी का मानकीकरण करके ग्रामीण एवं आकांक्षी जिलों सहित आयुष-आधारित प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुँच में सुधार किया है।

आयुष अस्पताल प्रबंधन सूचना प्रणाली (ए-एचएमआईएस) जैसे प्लेटफॉर्मों के माध्यम से रोगी पंजीकरण, इलेक्ट्रॉनिक स्वास्थ्य अभिलेख, रेफरल तथा उपचार की निरंतरता को डिजिटल रूप से सक्षमकारी बनाया जा रहा है। 15 जुलाई, 2026 तक की स्थिति के अनुसार, देशभर में कुल 5,386 आयुष स्वास्थ्य संस्थानों को एएचएमआईएस से जोड़ा जा चुका है। ओडिशा में क्षेत्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, क्षेत्रीय

होम्योपैथी अनुसंधान संस्थान और केंद्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान एएचएमआईएस एप्लीकेशन पर उपलब्ध हो गए हैं। रियल टाईम डैशबोर्ड तथा मानकीकृत रिपोर्टिंग राज्य एवं जिला स्तर के अधिकारियों को निगरानी, आयोजना तथा लक्षित अंत:क्षेपों में सहायता प्रदान करती है, जिससे इन क्षेत्रों में आयुष सेवाओं की उपलब्धता एवं सुलभता को और अधिक बढ़ाया जा सके।

इसके अतिरिक्त, पीएम गतिशक्ति पोर्टल पर पीएम गतिशक्ति आयुष परिसंपत्ति मैपिंग टूल के माध्यम से आयुष स्वास्थ्य संस्थानों की जीआईएस आधारित मैपिंग की जा रही है, जिससे योजना तैयार करने एवं निर्णय-प्रक्रिया में सहायता प्राप्त होती है। दिनांक 15 जुलाई, 2026 तक की स्थिति के अनुसार, पोर्टल पर 6,002 आयुष स्वास्थ्य संस्थानों की मैपिंग की जा चुकी है, जिनमें से 85 स्टैंडअलोन आयुष औषधालय और 150 एएएम ओडिशा राज्य के हैं। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2026 के दौरान योग पोर्टल पर आयोजित योग संगम में, केओंझर संसदीय क्षेत्र के अंतर्गत 235 संगठनों और ओडिशा में 14890 संगठनों को पंजीकृत किया गया है।

राज्यों एवं संघ राज्य क्षेत्रों के आयुष स्वास्थ्य देख-रेख संस्थानों द्वारा इन डिजिटल प्लेटफॉर्मों को अपनाए जाने से विशेषकर ग्रामीण एवं आकांक्षी जिलों में आयुष सेवाओं तक पहुँच, उनकी गुणवत्ता तथा उपचार की निरंतरता सुदृढ़ हुई है।

(ग): माई आयुष एकीकृत सेवा पोर्टल (एमएआईएसपी), आयुष मंत्रालय का प्रमुख पोर्टल है, जो आयुष से संबंधित सभी अनुप्रयोगों और सेवाओं को एक समेकित डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र में एकीकृत करता है। आयुष ग्रिड परियोजना के तहत विकसित सभी पोर्टल ओडिशा के केओंझर संसदीय निर्वाचन क्षेत्र सहित सभी उपयोगकर्ताओं के लिए सुलभ हैं। इसके अलावा, पूरे भारत में आयुष अस्पतालों, औषधालयों, आरोग्य केन्द्रों आदि के डिजिटल सुदृढ़ीकरण के लिए एएचएमआईएस एप्लीकेशन विकिसित की गई। एएचएमआईएस एप्लिकेशन का उपयोग करके, रोगी ऑनलाइन अपॉइंटमेंट बुक कर सकते हैं और कतार में इंतजार किए बिना सीधे सुविधा तक पहुँच सकते हैं। दवाओं के स्टॉक का डिजिटल रखरखाव एएचएमआईएस एप्लिकेशन के माध्यम से किया जा रहा है।

(घ): आयुष मंत्रालय, डिजिटल प्लेटफॉर्मों को बेहतर बनाकर, अंतर-संचालनीयता को बढ़ावा देकर, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और मशीन लर्निंग जैसी उभरती प्रौद्योगिकियों को अपनाकर तथा डेटा-आधारित सुशासन को प्रोत्साहित करके आयुष ग्रिड को आयुष क्षेत्र के लिए एक समग्र डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र के रूप में सुदृढ़ कर रहा है।

इन प्रयासों का उद्देश्य सेवा प्रदायगी में सुधार करना, साक्ष्य-आधारित नीति-निर्माण को सुगम बनाना, इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई) के अंतर्गत डिजिटल इंडिया भाषिणी प्रभाग (डीआईबीडी) के साथ अभिसरण के माध्यम से बहुभाषी सहायता उपलब्ध कराना तथा आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन (एबीडीएम) सहित राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों एवं डिजिटल स्वास्थ्य पहलों के साथ निर्बाध एकीकरण सुनिश्चित करना है।

*****